न झुकें, न रुकें, हमेशा सत्य लिखें : शिवराज सिंह चौहान

सफल और सजग पत्रकार बनने का सपना संजोए परंपरागत रेशमी दीक्षांत गाउन पहने उत्साहित छात्रों के चेहरे की चमक, देश और समाज के लिए पूर्ण मनोयोग से योगदान करने की शपथ के समवेत स्वर ने विशाल सभा गृह के संपूर्ण वातावरण को एक विशिष्ट रोमांच से भर दिया। इसके साथ ही 28 फरवरी, 2009 का दिन यादगार बन गया। अवसर था माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह का।

देश के तीन वरिष्ठ पत्रकारों नईदुनिया के समूह संपादक श्री अभय छजलानी वरिष्ठ पत्रकार श्री राधेश्याम शर्मा और 'हिन्दुस्तान समाचार' संवाद समिति के संस्थापक श्री बालेश्वर अग्रवाल को डी. लिट्. की मानद उपाधि प्रदान किये जाने ने इस अवसर को और भी गरिमामय बना दिया।

समन्वय भवन में आयोजित दीक्षांत समारोह के इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द ट्रिब्यून के संपादक श्री हरि जयसिंह थे।

समारोह में भावी पत्रकारों का आव्हान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता का धर्म लोक मंगलकारी एवं कल्याणकारी है, इसीलिए पत्रकारों को बिना डरे, बिना झुके अपने इस धर्म का पालन करना चाहिए। एक सच्ची खबर आइने की तरह होती है और प्रत्येक व्यक्ति यह अपेक्षा करता है कि उसमें उसे समाज का सही प्रतिबिम्ब दिखाई दे इसीलिए पत्रकारों को चाहिए कि वे सच्चाई को बिना तोड़े-मरोड़े जस का तस प्रस्तुत करें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरि जयसिंह ने कहा कि वर्तमान में पत्रकारिता की दिशा और दशा बदली है कभी सामाजिक, आर्थिक विषमताओं के खिलाफ मुहिम चलाने वाली पत्रकारिता में सामाजिक सरोकार गौण होते जा रहे हैं पत्रकारिता मिशन न रहकर व्यापार बन गई है। इन स्थितियों के बावजूद अभी भी आशा की किरण बाकी है। युवा पत्रकारों को पत्रकारिता के इस क्षरण को रोकना होगा। उन्होंने मीडिया में विदेशी पूँजी निवेश पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि इससे कलम के गुलाम होने का खतरा है। मीडिया में

डी. लिट्. की उपाधि प्राप्त करते वरिष्ठ पत्रकार श्री राधेश्याम शर्मा

द्वितीय दीक्षांत समारोह में दीक्षा मंत्र का अनुश्रवण करते नवस्नातक

विदेशी पूँजी निवेश की अनुमति के मुद्दे पर बहस की आवश्यकता है।

विश्वविद्यालय के कुलपति श्री अच्युतानंद मिश्र ने दीक्षोपदेश देते हुए कहा कि आज से जीवन की नई चुनौतियों एवं संघर्षों से सीखने का नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। इन चुनौतियों और संघर्षों का मुकाबला सत्य, धर्म और स्वाध्याय से किया जा सकता है। श्री मिश्र ने तैत्तीय उपनिषद में वर्णित सूत्र 'सत्यंवदः। धर्मम्चर। स्वाध्यायन्मा प्रयदः।' के सूत्र से छात्रों को दीक्षित किया।

समारोह में डी.लिट्. की मानद उपाधि से सम्मानित पत्रकार श्री अभय छजलानी ने कहा कि सूचना के अधिकार अधिनियम के आ जाने से मीडिया सशक्त हुई है मीडिया को जनहितकारी इन कानूनों के प्रचार प्रसार की ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने नवोदित पत्रकारों से बेहतर मूल्यों के साथ पत्रकारिता क्षेत्र में आने का आव्हान किया। डी. लिट्. की उपाधि से सम्मानित वरिष्ठ पत्रकार श्री राधेश्याम शर्मा ने कहा कि सच्चे पत्रकार की कलम न रुकनी चाहिए न झुकनी चाहिए न अटकनी चाहिए न भटकनी चाहिए। यदि आज पत्रकार ने अपनी कीमत लगा दी तो कल उसकी कीमत शून्य हो जायेगी। उन्होंने कहा कि संसार की तस्वीर पत्रकारों के हाथों में है वे उसे चाहे जैसा बना लें।

इसके पूर्व माँ सरस्वती एवं पं. माखनलाल चतुर्वेदी के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में मंत्रोच्चार के बीच विश्वविद्यालय की महापरिषद एवं विद्या परिषद के सदस्यों की विद्वत यात्रा निकाली गयी।

द्वितीय दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पत्रकारिता, जनसंचार, दृश्य-श्रव्य, जनसम्पर्क एवं अन्य पाठ्यक्रमों के करीब 275 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। इस मौके पर विश्वविद्यालय ने श्री उमेश कुमार आर्य, श्री संजय कटारिया, श्री सईद शाह अहमद सरमस्त एवं श्रीमती एस. अंजू आयंगर को डॉ. ऑफ फिलासफी (पीएच.डी) की उपाधि प्रदान की गई। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय द्वारा दिये जाने वाले विभिन्न पदक प्रदान किए गये। ये प्रायोजित पदक युगलकिशोर स्मृति स्वर्ण पदक, गीतांजली माकन स्मृति, आचार्य रजत पदक, म.गो. वैद्य स्मृति रजत पदक, हरिप्रसाद चतुर्वेदी स्मृति रजत पदक और प्रशांत कुमार अन्नु स्मृति रजत पदक हैं जिन्हें वर्ष 2006, 2007 व 2008 के लिए ज्योति सर्राफ, कवनीत कौर बिंद्रा, श्रुति मिश्रा, प्रियंका श्रीवास्तव, सुरभि यादव, मेघना राउत, उपमा त्रिपाठी, अजय मानकर, अर्शदीप कौर गांधी, महक चौधरी, लीना तलरेजा, मोहम्मद असलम, रितिका पंत, प्रियंका दुबे, संयुक्ता बनर्जी तथा गरिमा अनुराग को प्रदान किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की पत्रिका मीडिया मीमांसा का विशेषांक और 'अवर एल्यूमिनाई' नामक पुस्तिका का भी वितरण किया गया।

अंत में कुलाधिसचिव श्री ओ.पी. दुबे ने आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन कुलसचिव श्रीमती जे.आर. झणाणे ने किया।

डॉ. अविनाश वाजपेयी